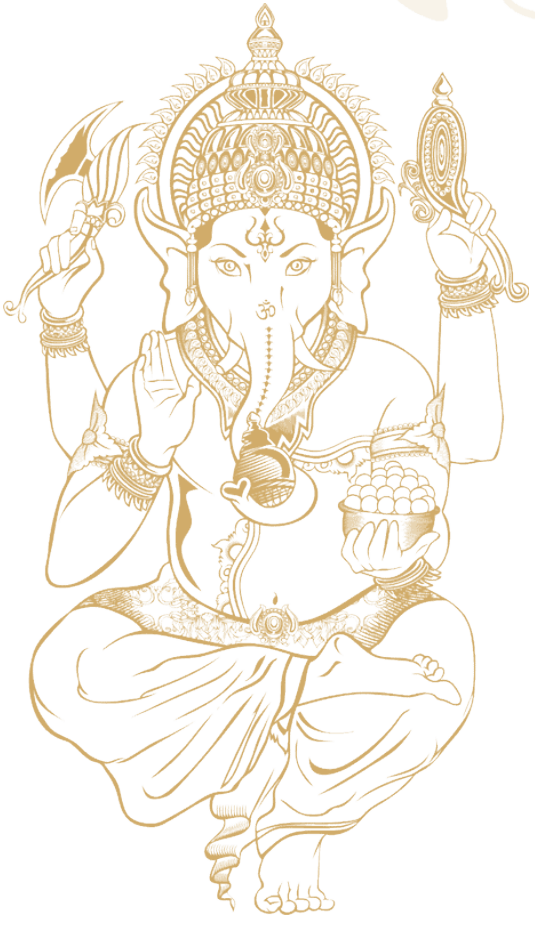

Naina annexe

05 Jan 1994

12:01 AM

Ahmedabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121798103

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**4-05/01/1994**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**00:01:00 घंटे**
इष्ट	41:38:53 घटी
स्थान	**Ahmedabad**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	23:03:00 उत्तर
रेखांश	72:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:39:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:21:40 घंटे
वेलान्तर	-00:04:50 घंटे
साम्पातिक काल	06:18:12 घंटे
सूर्योदय	07:21:26 घंटे
सूर्यास्त	18:07:05 घंटे
दिनमान	10:45:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	20:24:12 धनु
लग्न के अंश	10:24:38 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	अतिगण्ड
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ण--
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:24:38	331:59:31	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			धनु	20:24:12	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	17:24:11	14:07:41	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	18:10:13	00:45:52	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	20:57:24	01:37:15	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु			तुला	16:32:52	00:08:48	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	17:27:40	01:15:30	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	सम राशि
शनि			कुंभ	03:35:26	00:05:57	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	08:25:36	00:00:22	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	08:25:36	00:00:22	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	28:01:22	00:03:32	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
नेप			धनु	26:49:28	00:02:16	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	03:24:45	00:01:48	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मिथु	10:24:01	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:40

लग्न-चलित

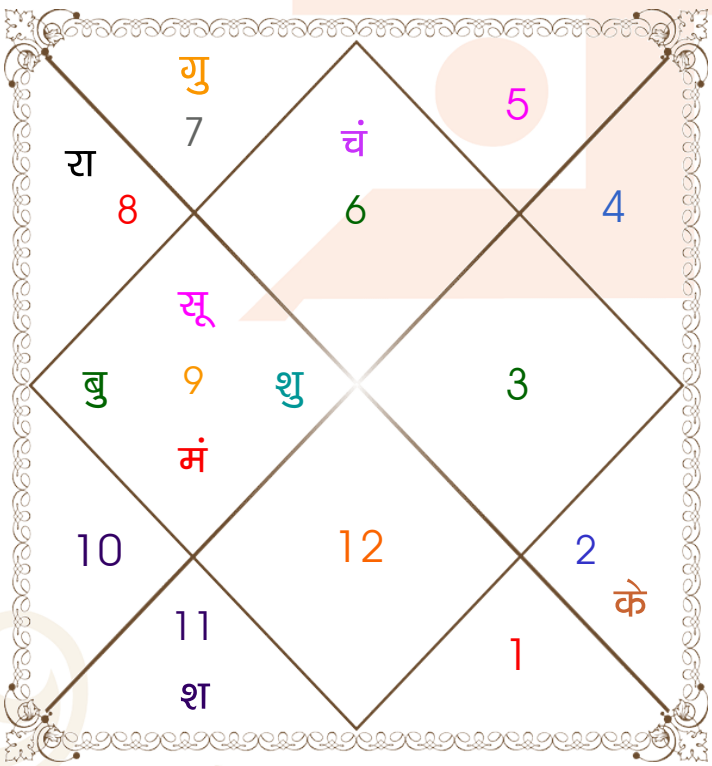

चन्द्र कुंडली

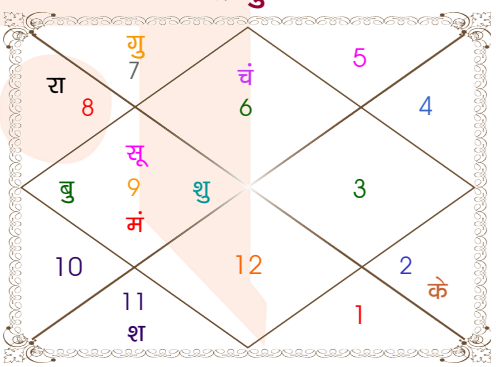

नवमांश कुंडली

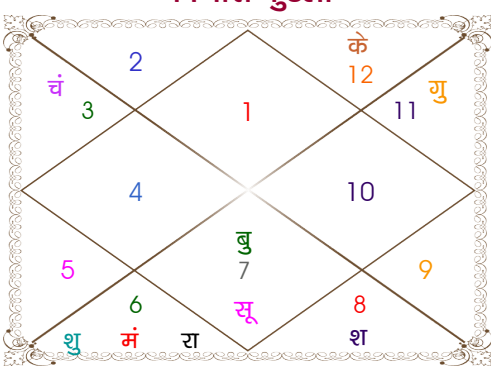

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 5 मास 11 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/01/1994		17/06/1998		17/06/2005		17/06/2023		17/06/2039	
17/06/1998		17/06/2005		17/06/2023		17/06/2039		17/06/2058	
	00/00/0000	मंगल	13/11/1998	राहु	28/02/2008	गुरु	05/08/2025	शनि	20/06/2042
	00/00/0000	राहु	02/12/1999	गुरु	24/07/2010	शनि	16/02/2028	बुध	27/02/2045
	00/00/0000	गुरु	07/11/2000	शनि	30/05/2013	बुध	24/05/2030	केतु	08/04/2046
	05/01/1994	शनि	16/12/2001	बुध	17/12/2015	केतु	30/04/2031	शुक्र	08/06/2049
शनि	17/04/1994	बुध	14/12/2002	केतु	03/01/2017	शुक्र	29/12/2033	सूर्य	21/05/2050
बुध	17/09/1995	केतु	12/05/2003	शुक्र	04/01/2020	सूर्य	17/10/2034	चंद्र	20/12/2051
केतु	17/04/1996	शुक्र	11/07/2004	सूर्य	28/11/2020	चंद्र	16/02/2036	मंगल	28/01/2053
शुक्र	16/12/1997	सूर्य	16/11/2004	चंद्र	30/05/2022	मंगल	22/01/2037	राहु	05/12/2055
सूर्य	17/06/1998	चंद्र	17/06/2005	मंगल	17/06/2023	राहु	17/06/2039	गुरु	17/06/2058

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
17/06/2058		17/06/2075		17/06/2082		18/06/2102		18/06/2108	
17/06/2075		17/06/2082		18/06/2102		18/06/2108		00/00/0000	
बुध	13/11/2060	केतु	13/11/2075	शुक्र	17/10/2085	सूर्य	06/10/2102	चंद्र	18/04/2109
केतु	10/11/2061	शुक्र	13/01/2077	सूर्य	17/10/2086	चंद्र	06/04/2103	मंगल	17/11/2109
शुक्र	10/09/2064	सूर्य	20/05/2077	चंद्र	17/06/2088	मंगल	12/08/2103	राहु	19/05/2111
सूर्य	17/07/2065	चंद्र	19/12/2077	मंगल	17/08/2089	राहु	06/07/2104	गुरु	17/09/2112
चंद्र	17/12/2066	मंगल	18/05/2078	राहु	16/08/2092	गुरु	24/04/2105	शनि	06/01/2114
मंगल	14/12/2067	राहु	05/06/2079	गुरु	17/04/2095	शनि	06/04/2106		00/00/0000
राहु	02/07/2070	गुरु	11/05/2080	शनि	17/06/2098	बुध	10/02/2107		00/00/0000
गुरु	07/10/2072	शनि	20/06/2081	बुध	18/04/2101	केतु	18/06/2107		00/00/0000
शनि	17/06/2075	बुध	17/06/2082	केतु	18/06/2102	शुक्र	18/06/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 5 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।